मार्गों पर हुई दुर्घटनाओं की अलग-अलग संख्या कितनी है ; और

(घ) क्या इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने कोई कदम उठाए हैं, यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्री, साथ में संचार मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री के० पी० उन्नीकृष्णन) : (क) जी, हां।

(ग)

(ख) जी, नहीं । हालांकि वर्ष 1986, 1987 और 1988 के दौरान वाहनों की संख्या में क्रमश: 16.4% 19.5% और 15.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई लेकिन 1986 और 1987 में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि क्रमश: 2.7% और 8.9 प्रतिशत रही । वर्ष 1988 में दुर्घटनाओं की संख्या में 7.8 प्रतिशत की कमी आई ।

वर्ष	वर्ष के 31 मार्च को पंजीकृत कुल मोटर वाहनों की संख्या	सड़क दुर्घटनाएं		
		मृतकों की संख्या	गंभीर/मामूली रूप से घायलों की संख्या	कुल दुर्घटनाएं
1986 .	10489000	39743	176277	213957
1987 .	12534000	44359	189920	232981
1988 .	14484000	49218	206060	214854

राष्ट्रीय राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

(घ) केन्द्र सरकार समय-समय पर राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने हेतु लिखती रही है कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने, वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र देने आदि पर कड़ा नियंत्रण रखा जाए। उनसे यह भी अनुरोध किया गया है कि वे ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन कर्ताओं को प्रशिक्षण देने के प्रयोजनार्थ ड्राइवर प्रशिक्षण स्कूलों की स्थापना करें। नए मोटर यान अधिनियम, 1988 में किए गए प्रावधान के अनुसार परिवहन वाहनों को चलाने के लिए लाइसेंस जारी करने हेतु ड्राइवर प्रशिक्षण एक पूर्वापेक्षा है । सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए प्रावधानों में, वाहनों में सुरक्षा उपकरण लगाना, सुरक्षित भार सीमाओं, अधिकतम गति से संबंधित विनियम, राजमार्गों पर ट्रक पार्किंग कम्प्लेक्सेस की स्थापना इत्यादि शामिल हैं।

सड़क सुरक्षा उपाय करने और राज्य एजेंसियों के माध्यम से उन्हें कार्यान्वित करने के संबंध में परामर्श देने के लिए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद का भी गठन किया गया है । राज्य सरकारों से भी कहा गया है कि वे राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा परिषदों का गठन करें ।

सड़क अनुशासन का पालन करने के संबंध में जनता में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताहों का आयोजन किया जाता है । 6–12 जून, 1988 और 3 से 9 अप्रैल, 1989 के दौरान सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया था ।

Value of imports for C-D0T project

232. SHRI KAMAL, MORARKAs Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what is the total yaluie of imports sanctioned for the C-DOT project;

ID) me total value of imports made from the following three companies individually: (i) Marktec Micro Technologies. Inc., (iii) Ironies; and

(c) whether it is a fact that the \items imported from these companies were not manufactured or dealt with by these companies earlier?

THE MINISTER. OF STEEL. AND MINES WITH ADDITIONAL CHMGE OS* THE MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (SHRI DINESH GOSWAMI): (a) Total value import sanctioned for the C-DOT project is Rs. 20 crores in foreign exchange:

(b) Total value of imports mate from the three companies ares stated below:

		US Dollars
Marktec USA	USA .	50.636
Mjcrp Technologies Inc		71,970
Ironies USA ~.		

The total value of imports from the three . companies comes to about Rs.' 28.2 lakhs in foreign exchange at the exchange rate prevalent at the time of import.

(c) The items imported from these companies were either manufactured br dealt with by these companies earlier.

Withdrawal cases related to purchase of Czech pistols 233. SHRI VISHWASRAO RAMRAO PATIL: will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased fo state:

(a) whether it is a fact that several cases launched by Government against some officials Serf the Ministry in the purchase of Czech pistols have been withdrawn;

(b) if so, what are the details thereof; and

(e) whether any senior member of the Cabinet was found involved in this case?

THE MINISTER OF HOMI AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): (a) No, Si*

(b) Question does not arise.

(c) CBI is still continuing' invest* gation.

Loss to ship owners due to holding of Cargo Ships at ports

234. SHRl KAMAL MORARKA; Will the Minister of SURFACI TRANSPORT be pleased to state:

(a> whether it is a fact that Carg< Ships are being held up at the pott due to shortage of certificated offices consequently increasing snlp-owMMa operating coste;

(b> if so, what fe the quantum o losses being incurred by them oft tibi account; and

(e) what remedial measures as being taken by Government to remon the anomally

THE MINISTER OF SURFACJ TRANSPORT WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY *O.* COMMUNICATIONS (SHRI K. 1 UNNIKRISHNAN): (a) and (b) Th Indian National Shipowners Associ tion has estimated the total number of ships days lost by Indian sMl owners for want of certificate officers to be around 335 during tit period, from July, 1989 to January 1990. They have also estimated th! the average loss per ship day to account of standing charges is aroui Rs. I lakh.

(c) The following important rem dial measures have (been taken 1 Government to ameliorate the shor age of certificated officers'.

(1) Intake of cadets for trains in pre-sea training institutions vi T.S. "Rajendra" for Nautical Office and D.M.E.T. for Engineer Office has been increased to their ft capacity from 1988 onwards.